छपते छपते

रु.3/- कोलकाता ■ मंगलवार ■ 13 जून 2023 ■ आषाढ़ कृष्ण पक्ष 10 ■ संवत् 2080 ■ कुल पृष्ठ : 8 ■ वर्ष-52, अंक-119

हवाई यात्रा को सुहाना सफर बनाने हेतु कार्यशाला

■ छपते छपते समाचार सेवा

कोलकाता, 12 जून। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के सहयोग से केयरिंग माइंड्स ने कोलकाता एयरपोर्ट अथॉरिटी पर एक संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित किया। इस बात पर जोर दिया गया कि एक समावेशी उड़ान अनुभव लाने के लिए हवाई अड्डे के अधिकारियों और कर्मचारियों एवं विभिन्न एयरलाइन अधिकारियों को विशेष जरूरतों वाले लोगों और उनके परिजनों को हवाई उड़ान में मिलने वाली चुनौतियों के बारे में शिक्षित किया जाये। इसका संचालन मनोचिकित्सक मीनू बूधिया ने किया जो केयरिंग माइंड्स (ओपीडी मानसिक स्वास्थ्य क्लीनिक) एवं आई कैन फ्लाई (विशेष आवश्यकता वालों के लिए संस्थान) की संस्थापक-निदेशक हैं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी लोगों व उपस्थित सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने काफी सराहना की।

साइकोथेरेपिस्ट मीनू बुधिया ने कहा सभी एयरपोर्ट और एयरलाइन के अधिकारियों व कर्मचारियों को इस तथ्य से अवगत कराने की आवश्यकता है कि विशेष सहायक काउंटर न केवल व्हीलचेयर की जरूरतवाले यात्रियों के लिए है, बल्कि बौद्धिक चुनौतियों वाले व्यक्तियों के लिए भी है। यह जागरुकता इसलिए भी जरूरी है क्योंकि कई बौद्धिक चुनौतियां अदृश्य है- जरूरी नहीं कि एक विशेष आवश्यकता वाला यात्री हमेशा ऐसा दिखे कि उसे मदद की जरूरत है। दिव्यांग में बौद्धिक दिव्यांगता शामिल है इसलिए विशेष जरूरत वाले यात्रियों व उनके अभिभावक (माता-पिता/भाई-बन/केयरटेकर) को यह अधिकार है कि वे भी दिव्यांग लेन का इस्तेमाल कर सकें। यह एक बहुत ही साधारण सी बात है जो एक समावेशी उड़ान के अनुभव का सृजन करेगी।

श्री सी पत्ताभी, आईएपी (निदेशक, एएआई) ने कहा, यह एक उत्कृष्ट पहल है और मीनू जी को इस अभिनव कार्यशाला को एक साथ लाने के लिए बधाई दी जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि केयरिंग माइंड्स से लेकर बुजुर्गों तक के यानी सभी उमग्र के लोगों के लिए एक ओपीडी मानसिक स्वास्थ्य क्लीनिंग है। कोलकाता में यह अपनी तरह का पहला है जिसने 10 वर्षों में 25 लाख से अधिक जीवन को स्पर्श किया है। संस्थापिका -निदेशक व साइकोथेरेपिस्ट मीनू बुधिया के नेतृत्व में 2013 में स्थापित केयरिंग माइंड्स एक छत के नीचे (8000+ वर्ग फीट) के लिए वन-स्टॉप समाधान है।

केयरिंग माइंड्स की संस्थापक निदेशक मीनू बुधिया कार्यशाला में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के निदेशक सी. पत्ताभी आईएपी का स्वागत करते हुए।

प्रभात खबर
अखबार नहीं आंदोलन
कोलकाता । रांची । पटना । जमशेदपुर । धनबाद । देवघर । मुजफ्फरपुर । भागलपुर से प्रकाशित

विशेष आवश्यकता वाले परिवारों के लिए एयरपोर्ट पर स्पेशल कार्यशाला

संवाददाता, कोलकाता

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआइ) के सहयोग से केयरिंग माइंड्स ने कोलकाता हवाई अड्डे पर एक संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की. कार्यशाला में इस बात पर जोर दिया गया कि एक समावेशी उड़ान अनुभव लाने के लिए हवाई अड्डे के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विभिन्न एयरलाइन अधिकारियों को विशेष जरूरतों वाले लोगों और उनके परिजनों को हवाई उड़ान में मिलने वाली चुनौतियों के बारे में शिक्षित किया जाये. इसका संचालन मनोचिकित्सक मीनू बुधिया ने किया जो केयरिंग माइंड्स (ओपीडी मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक) एवं आइ केन फ्लाइ (विशेष आवश्यकता वालों के लिए संस्थान) की संस्थापक-निदेशक हैं.

साइकोथेरेपिस्ट मीनू बुधिया ने कहा कि सभी एयरपोर्ट और एयरलाइन के अधिकारियों व कर्मचारियों को इस तथ्य से अवगत कराने की आवश्यकता है कि विशेष सहायता काउंटर न केवल व्हीलचेयर की जरूरत वाले यात्रियों के लिए है, बल्कि बौद्धिक चुनौतियों वाले व्यक्तियों के लिए भी है. यह जागरूकता इसलिए भी जरूरी है क्योंकि कई बौद्धिक चुनौतियां अदृश्य हैं - जरूरी नहीं कि एक विशेष आवश्यकता वाला यात्री हमेशा ऐसा दिखे कि उसे मदद की जरूरत है. दिव्यांग में बौद्धिक दिव्यांगता शामिल है, इसलिए विशेष जरूरत वाले यात्रियों व उनके अभिभावक (माता-पिता/ भाई- बन/केयरटेकर) को यह अधिकार है कि वे भी दिव्यांग लेन का इस्तेमाल कर सकें. सी. पत्ताभी, आइएपी (निदेशक, एएआइ) ने कहा यह एक उत्कृष्ट पहल है और मीनू बुधिया को इस अभिनव कार्यशाला को एक साथ लाने के लिए बधाई दी जानी चाहिए. यह कार्यशाला आखों को खोलने वाली थी. अन्य विषयों पर ऐसी गहराई वाली कार्यशालाएं हमारे स्टाफ को जरूर लाभान्वित करेंगी.

पत्रिका
राजस्थान पत्रिका
पत्रिका सिटी कम्युनिटी & कल्चर 04 राजस्थान पत्रिका patrika.com
कोलकाता, बुधवार, 14 जून, 2023

एयरपोर्ट अथॉरिटी के सहयोग से केयरिंग माइंड्स ने हवाई अड्डे पर की कार्यशाला

विशेष जरूरत वाले लोगों, परिजनों को उड़ान चुनौतियों पर शिक्षित किया जाए

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता.एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के सहयोग से केयरिंग माइंड्स ने कोलकाता हवाई अड्डे पर एक संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित किया। इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि एक उड़ान अनुभव के लिए हवाई अड्डे के अधिकारियों कर्मचारियों एवं विभिन्न एयरलाइन अधिकारियों को विशेष जरूरतों वाले लोगों और उनके परिजनों को हवाई उड़ान में मिलने वाली चुनौतियों के बारे में शिक्षित किया जाए।

इसका संचालन केयरिंग माइंड्स (ओपीडी मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक) एवं आइ कैन फ्लाइ (विशेष आवश्यकता वालों के लिए संस्थान) की संस्थापक-निदेशक मनोचिकित्सक मीनू बुधिया ने किया। कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी लोगों व अधिकारियों ने इसकी सराहना की। बुधिया ने कहा सभी एयरपोर्ट और एयरलाइन के अधिकारियों व कर्मचारियों को इस तथ्य से अवगत कराने की आवश्यकता है कि विशेष सहायता काउंटर न केवल व्हीलचेयर की जरूरत वाले यात्रियों के लिए है बल्कि बौद्धिक चुनौतियों वाले व्यक्तियों के लिए भी है।

जरूरी नहीं कि एक विशेष आवश्यकता वाला यात्री हमेशा ऐसा दिखे कि उसे मदद की जरूरत है। दिव्यांग' में बौद्धिक दिव्यांगता शामिल है इसलिए विशेष जरूरत वाले यात्रियों व उनके अभिभावक को यह अधिकार है कि वे भी दिव्यांग लेन का इस्तेमाल कर सकें। यह एक साधारण बात है जो एक समावेशी उड़ान के अनुभव का सृजन करेगी।

एयरपोर्ट के निदेशक सी. पत्ताभी ने कहा कि यह एक उत्कृष्ट पहल है और बुधिया इस अभिनव कार्यशाला को एक साथ लाने के लिए बधाई की हकदार हैं। अन्य विषयों पर ऐसी कार्यशालाएं हमारे स्टाफ को जरूर लाभान्वित करेंगी। केयरिंग माइंड्स बच्चों से बुजुर्गों तक के सभी उम्र के लोगों के लिए एक ओपीडी मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक है।

कार्यशाला में मौजूद अतिथि

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।
www.samagya.in
समाज्ञा
समाज्ञा — बंगाल — 4
हावड़ा/कोलकाता, 13 जून, मंगलवार, 2023

केयरिंग माइंड्स ने एएआई के सहयोग से एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता हवाई अड्डे पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के सहयोग से केयरिंग माइंड्स ने एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में एक समावेशी उड़ान अनुभव लाने के लिए हवाई अड्डे के अधिकारियों और कर्मचारियों एवं विभिन्न एयरलाइन अधिकारियों को विशेष आवश्यकता वाले लोगों और उनके परिवारों को हवाई उड़ान में मिलने वाली चुनौतियों के बारे में शिक्षित किया गया। इस कार्यशाला का संचालन केयरिंग माइंड्स एवं आइ केन फ्लाइ की संस्थापक-निदेशक मनोचिकित्सक मीनू बुधिया ने किया। इस मौके पर मीनू बुधिया ने कहा, हवाई अड्डे पर मौजूद विशेष सहायता काउंटर न केवल दिव्यांग एवं व्हीलचेयर की जरूरत वाले यात्रियों के लिए है, बल्कि बौद्धिक

चुनौतियों वाले व्यक्तियों के लिए भी है। 'दिव्यांग' में बौद्धिक दिव्यांगता शामिल भी, इसलिए विशेष जरूरत वाले यात्रियों व उनके अभिभावक को भी यह अधिकार है कि वे भी दिव्यांग लाइन का इस्तेमाल कर सकें। सी. पत्ताभी, आईएपी (निदेशक, एएआई) ने कहा, यह एक उत्कृष्ट पहल है और मीनू जी को इस अभिनव कार्यशाला को एक साथ लाने के लिए बधाई दी जानी चाहिए। यह कार्यशाला हमारे लिए आखों को खोलने वाली थी। अन्य विषयों पर ऐसी गहराई वाली कार्यशालाएं हमारे स्टाफ को जरूर लाभान्वित करेंगी।

卐 ॥ श्री हरि: ॥ 卐

सन्मार्ग

॥ नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः॥

कोलकाता, मंगलवार 13 जून 2023

सम्मान : हावड़ा व हुगली के अस्पतालों ने बढ़ाया राज्य का सम्मान

ताकि एयरपोर्ट पर दिव्यांग यात्रियों की यात्रा सुगम हो

जागरूकता के लिए वर्कशॉप का किया गया आयोजन

सन्मार्ग संवाददाता

कोकलाता : कोलकाता एयरपोर्ट पर दिव्यांग यात्रियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए विशेष पहल की गयी है। इसके तहत कोलकाता एयरपोर्ट पर विभिन्न एयरलाइंसों, सीआईएसएफ की टीम तथा ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसियों के साथ एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) के सहयोग से केयरिंग माइंड्स ने एक विशेष वर्कशॉप आयोजित किया।

इस वर्कशॉप में सभी को स्पेशल नीड्स वाले यात्रियों के बारे में जागरूक किया गया। कैसे उन्हें बिना तकलीफ के उनकी सुरक्षा जांच हो जाए, उनकी यात्रा बिना किसी तकफली के हो पाए, इस पर एक पूरा प्रेजेंटेशन दिया गया। इसका संचालन मनोचिकित्सक मीनू बुधिया ने किया जो केयरिंग

एयरपोर्ट के एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग में मनोचिकित्सक मीनू बुधिया को सम्मानित करते कोलकाता एयरपोर्ट के डायरेक्टर सी. पट्टाभी

माइंड्स (ओपीडी मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक) एवं आइ केन फ्लाइ (विशेष आवश्यकता वालों के लिए संस्थान) की संस्थापक-निदेशक हैं। इस मौके पर एयरपोर्ट डायरेक्टर **सी. पट्टाभी** सहित कई अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यह एक उत्कृष्ट पहल है। यह हमारे स्टाफ को जरूर लाभान्वित करेगा।

मीनू बुधिया ने यह कहा : सभी एयरपोर्ट और एयरलाइन के अधिकारियों व कर्मचारियों को इस तथ्य से अवगत कराने की आवश्यकता है कि विशेष सहायता काउंटर न केवल व्हीलचेयर की जरूरत वाले यात्रियों के लिए है, बल्कि बौद्धिक चुनौतियों वाले व्यक्तियों के लिए भी है। यह जागरुकता इसलिए भी जरूरी है क्योंकि कई बौद्धिक चुनौतियां अदृश्य हैं - जरूरी नहीं कि एक विशेष आवश्यकता वाला यात्री हमेशा ऐसा दिखे कि उसे मदद की जरूरत है। 'दिव्यांग' में बौद्धिक दिव्यांगता शामिल है इसलिए विशेष जरूरत वाले यात्रियों व उनके अभिभावक को यह अधिकार है कि वे भी दिव्यांग लेन का इस्तेमाल कर सकें।

द रिपब्लिक इण्डियन
सूचित रहनुहोस्

Repoter June 13, 2023

एउटा पीडादायी यात्राबाट आनन्दको यात्रा तर्फ...

कोलकाता: दुःखको सट्टा, अर्को एउटी विशेष आमाले कोलकाता एयरपोर्टमा विशेष-आवश्यकमन्द (मानसिक रुपले दिव्याङ्ग)परिवारहरूको लागि हवाई यात्रालाई 'रमाइलो यात्रा' बनाउन विशेष कार्यशाला सञ्चालन गरिन्। केयरिङ माइन्ड्स र एयरपोर्ट अथोरिटी अफ इन्डिया (एएआई)ले संयुक्त रुपमा कोलकाता एयरपोर्टमा एउटा विशेष संवेदनशील कार्यशाला आयोजना गरेको थियो। विशेष आवश्यकमन्द व्यक्ति वा परिवारले हवाई यात्रा गर्दा भोग्नु पर्ने असुविधा र अवरोधका बारेमा विमानस्थलका अधिकारी, कर्मचारी र विभिन्न एयरलाइन्सका अधिकारीहरूको ध्यानाकर्षण गराउने उद्देश्यले उक्त कार्यक्रमको आयोजना गरिएको थियो। पीडादायी यात्राको सट्टा आनन्दको यात्रा बनोस् यही उक्त कार्यशालाको महत उद्देश्य रहेको थियो। उक्त कार्यशालालाई एउटी छोरी प्राचीकी आमा मनोचिकित्सक मिनु बुधिया र केयरिङ माइन्ड्स (ओपीडी मेन्टल हेल्थ क्लिनिक) का संस्थापक निर्देशकले सञ्चालन गरेका थिए।

यस पहललाई उपस्थित सबै सहभागी र वरिष्ठ अधिकारीहरूले प्रशंसा गरे। कार्यशालामा मनोचिकित्सक मिनु बुधियाले ह्वीलचेयर चाहिन्दो यात्रुहरूका लागि मात्र नभएर मानसिक अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूका लागि पनि विशेष सहायता केन्द्रहरू स्थापना गर्न आवश्यक रहेको बताउँदै सबै एयरपोर्ट र एयरलाइन्ससँग सम्बन्धित अधिकारीहरू र कर्मचारीहरूलाई यसबारे सचेत गराउन आवश्यक रहेको आह्वान गरेकी थिइन्। उनले धेरै मानसिक रोगहरूको पहिचान गर्न गाह्रो हुने भएकोले यस प्रकारको जागरूकता आवश्यक रहेको बताइन्। बौद्धिक अर्थात मानसिक अपाङ्गतालाई 'दिव्यांगता'मा समावेश गरिएको छ त्यसैले विशेष आवश्यकता भएका यात्रुहरू र उनीहरूका साथमा अभिभावकहरू (आमा/भाईबहिनी/अभिभावकहरू) पनि दिव्यांग लेन प्रयोग गर्नका लागि हकदार रहेको सम्बोधन गरीन्। यी सामान्य बिन्दुहरू पालना गर्दा एक अद्भुत उडान अनुभव सुनिश्चित हुने उनले थपिन्।

मनले चाहेको विषयमा बोल्न पाउँदा निकै खुशी लागेको र आफ्ने उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य साथै आवश्यकता परेकाहरु अब ओझेलमा लुकेको छैन भन्ने जागरूकता बढाउनु रहेको बताइन्। आफूले एक आशाजनक भविष्यको लागि काम गरीरहेको जहाँ विशेष आवश्यकताहरू, भावनात्मक चुनौतीहरू र मानसिक स्वास्थ्य समस्याहरू भएका सबै मानिसहरूलाई नियमित मानिसहरू जस्तै समान मर्यादा र सम्मान प्रदान गर्नु रहेको बताइन्। सो शिविरमा भारतीय एयरपोर्ट अथोरिटी (एएआई) का निर्देशक सी पराटी, आईएपीले भने, 'यो अद्भुत पहल हो। मिनुजीलाई बधाई दिनै पर्छ किनकि उनले सबै कुरालाई एकै ठाउँमा ल्याउने अद्वितीय कार्यशाला आयोजना गरेर हामीलाई प्रेरणा दिएका छन्। थप कार्यशालाहरूले पक्कै पनि हाम्रा कर्मचारीहरूलाई अन्य समस्याहरूको गहिराइमा सामना गर्न मद्दत गर्नेछ। एक आमा र मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरको रूपमा, म मिनुजीको पहलको प्रशंसा गर्छु। स्वाभाविक रूपमा, अधिकांश आमाबाबुले आफ्नो बच्चाको पीडा कम गर्ने प्रयास गर्छन्। मिनुजीले यस सन्दर्भमा धेरै अगाडि बढिसकेका छन् र भारतमा विशेष आवश्यकता भएका व्यक्तिहरूको परिवारको सुधारका लागि काम गरिरहेकी छन्। यो असाधारण प्रयासमा म उहाँलाई शुभकामना दिन्छु'

उल्लेख्य, केयरिङ माइन्ड्स एक (ओपीडी) मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक हो जसले बालबालिकादेखि वृद्धसम्म सबै उमेरका बिरामीहरूलाई स्वास्थ्य सेवाहरू प्रदान गर्दछ। कोलकातामा आफ्नो किसिमको पहिलो क्लिनिकमा, क्लिनिकल, एकेडेमिया र आउटरिचसहित संगठनका ३ विभागहरूमा सचेतना मार्फत विगत १० वर्षमा २५ जनाभन्दा बढी लक्षित व्यक्तिहरूलाई कल्याणको बाटोमा लगिएको छ। सन् २०१३ मा संस्थापक-निर्देशक र मनोचिकित्सक मिनु बुधियाको सक्षम नेतृत्वमा स्थापित, केयरिङ माइन्ड्स अब सबै मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याहरूको लागि एउटै छाना (आठ हजार वर्ग फुट) मुनि 'वान स्टप' समाधान हो। संस्थानमा मनोचिकित्सकहरू, मनोवैज्ञानिकहरू (एमफिल आरसीआई दर्ता गरिएका पेशेवरहरू) र प्रख्यात सहयोगी पेशेवरहरू रहेका छन्।